नज़रे इनायत तेरी साबिर | By Sharukh Shabab Niyazi

नज़रे इनायत तेरी साबिर
मुझपे सदा दिन रात रहे
झोली में मेरी बाबा फरीद की
या साबिर खैरात रहे

मैं हूँ मंगता तेरे दर का
सदका दे मुझको हैदर का
सदका दे मुझको हैदर का
मैं हूँ मंगता तेरे दर का
सदका दे मुझको हैदर का
कलियर का सुलतान है साबिर
मोहताजों की बात रहे
नज़रे इनायत तेरी साबिर
मुझपे सदा दिन रात रहे

लाज मेरी तू रखने वाला
सबपे करम है करने वाला
सबपे करम तू करने वाला
लाज मेरी तू रखने वाला
सबपे करम है करने वाला
मौला अली हसनैन के सदके
रेहमत की बरसात रहे
नज़रे इनायत तेरी साबिर
मुझपे सदा दिन रात रहे

शाने करामत तूने दिखाई
अपनी नमाज़ खुद ही पढ़ाई
अपनी नमाज़ खुद ही पढ़ाई
शाने करामत तूने दिखाई
अपनी नमाज़ खुद ही पढ़ाई
तेरी मोहब्बत दिल में अक़ीदत
हम मस्तो के साथ रहे
नज़रे इनायत तेरी साबिर
मुझपे सदा दिन रात रहे

तेरा ही साबिर कहलाये
तारिक़ तेरे उर्स में आये
तारिक़ तेरे उर्स में आये
तेरा ही साबिर कहलाये
तारिक़ तेरे उर्स में आये
मेरे मुक़द्दर में या साबिर
निस्बत की सौगात रहे
नज़रे इनायत तेरी साबिर
मुझपे सदा दिन रात रहे

नज़रे इनायत तेरी साबिर
मुझपे सदा दिन रात रहे

झोली में मेरी बाबा फरीद की
या साबिर खैरात रहे

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%a8%e0%a4%9c%e0%a4%bc%e0%a4%b0%e0%a5%87-%e0%a4%87%e0%a4%a8%e0%a4%be%e0%a4%af%e0%a4%a4-%e0%a4%a4%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a5%80-%e0%a4%b8%e0%a4%be%e0%a4%ac%e0%a4%bf%e0%a4%b0-by-sharukh-shabab-niyaz/